हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

अध्ययन प्रश्न – 2023–24

कक्षा : ग्यारहवीं विषय : हिन्दी (आधार) कोड : 502

निर्धारित समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश –

1 इस प्रश्नपत्र मे दो खण्ड हैं– **खण्ड (अ)** और **खण्ड (ब)**। **खंड अ** में बहुविकल्पीय और **खंड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न हैं।

2 **खण्ड अ** में कुल 8 प्रश्नों के उपभागों के रुप में 40 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए हैं।

3 **खंड ब** में कुल 8 प्रश्न हैं। निर्देशानुसार विकल्पों का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्न के उत्तर देना अनिवार्य है।

4 प्रश्नपत्र के दोंनों खंडों में प्रश्नों की कुल संख्या 16 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

5 प्रश्नों का उत्तर लिखते समय क्रम संख्या अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें।

खण्ड अ

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 X 1= 5

पश्चिम की प्रौद्योगिकी और पूर्व की धर्मचेतना का सर्वश्रेष्ठ लेकर ही नई मानव संस्कृति का निर्माण संभव है। पश्चिम नया धर्म चाहता है, पूर्व नया ज्ञान। दोनों की अपनी-अपनी आवश्यकता है। वहाँ यंत्र है, मंत्र नहीं। यहाँ मंत्र है, यंत्र नहीं। वहाँ भौतिक संपन्नता है, यहाँ आध्यात्मिक संपन्नता है। पश्चिम के आध्यात्मिक दैन्य को दूर करने में पूर्व की मैत्री , करुणा और अहिंसा के संदेश महत्त्वपूर्ण होंगे , तो पूर्व के भौतिक दैन्य को पश्चिम की प्रौद्योगिकी दूर करेगी। पूर्व-पश्चिम के मिलन से ही मनुष्य की देह और आत्मा को एक साथ चरितार्थता मिलेगी। इससे प्रौद्योगिकी जड़ता के बंधनों से मुक्त होगी और पूर्व का अध्यात्मवाद , परलोकवाद तथा निष्क्रियतावाद से छुटकारा पाएगा। भाग्यवाद को प्रौद्योगिकी को सौंपकर हम मनुष्य की कर्मण्यता को चरितार्थ करेंगे और इस धरती के जीवन को स्वर्गीयम बनाएँगे। जीवन से भाग करके नहीं , उसके भीतर से ही हमें लोकमंगल की साधना करनी होगी। विरक्ति-मूलक आध्यात्मिकता का स्थान लोकमांगलिक आध्यात्मिकता लेगी। यह आध्यात्मिकता लोकमंगल और लोकसेवा से ही चरितार्थता पाएगी। मनुष्य-मात्र के दु:ख, उत्पीड़न और अभाव के प्रति संवेदित और क्रियाशील होकर ही हम अपनी आध्यात्मिकता को प्राणवान , जीवंत और सार्थक बना सकेंगे। ज्ञान को शक्ति में नहीं, परमार्थ तथा उत्सर्ग में ढालकर ही हम मानवता को उजागर करेंगे। प्रकृति से हमने जो कुछ पाया है, उसे हम बलात् छीनी हुई वस्तु क्यों मानें? क्यों न हम यह स्वीकार करें कि प्रकृति ने अपने अक्षय भंडार को मानव-मात्र के लिए अनावृत्त कर रखा है ? प्रकृति के प्रति

प्रतियोगिता या प्रतिस्पर्धा का भाव क्यों रखा जाए ? वस्तुतः प्रकृति के प्रति सहयोगी , कृतज्ञ तथा सदाशय होकर ही मनुष्य अपनी भीतरी प्रकृति को राग-द्वेष से मुक्त करता है और स्पर्धा को प्रेम में बदलता है। आज आण्विक प्रौद्योगिकी को मानव कल्याण का साधन बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब मनुष्य की बौद्धिकता के साथ-साथ उसकी रागात्मकता का विकास हो। रवीन्द्र और गाँधी का यही संदेश है। 'कामायनी' के रचयिता जयशंकर प्रसाद ने श्रद्धा और इड़ा के समन्वय पर बल दिया है। मानवता की रक्षा और उसके विकास के लिए पूर्व-पश्चिम का सम्मिलन आवश्यक है। तभी कवि पंत का यह कथन चरितार्थ हो सकेगा-"मानव तुम सबसे सुंदरतम्।"

(i) पूर्व और पश्चिम के मिलन को आवश्यक क्यों माना गया है?

(क) मानवता की रक्षा के कारण

(ख) मानवता के विकास के कारण

(ग) नई मानव संस्कृति के निर्माण के कारण

(घ) उपरोक्त सभी

(ii) लोकमंगल की साधना द्वारा क्या किया जाना संभव है?

(क) धरती के जीवन को स्वर्गीय बनाना

(ख) आध्यात्मिक तथा धार्मिक प्रगति करना

(ग) केवल मनुष्य का विकास करना

(घ) प्रतिस्पर्धा की भावना को कम करना

(iii) मनुष्य अपनी भीतरी प्रकृति को राग-द्वेष से मुक्त कैसे रख सकता है?

(क) प्रकृति के प्रति प्रतियोगिता या प्रतिस्पर्धा रखकर

(ख) प्रकृति के प्रति सहयोग, कृतज्ञ तथा सदाशय का भाव रखकर

(ग) प्रकृति के भंडार पर अधिकार स्थापित करके

(घ) लोकमंगल की कामना पर ज्यादा ध्यान न देकर

(iv) मैत्री, करुणा और अहिंसा को अपनाने से किसके दूर होने की संभावना है?

(क) पूर्व के आध्यात्मवाद की विपन्नता के

(ख) पश्चिमी भौतिकवाद की विपन्नता के

(ग) पश्चिमी आध्यात्मवाद की विपन्नता के

(घ) पूर्व के भौतिकवाद के दैन्य के

(v) आध्यात्मिकता के संदर्भ में कौन-सा कथन असत्य है?

(क) पश्चिम में आध्यात्मिक विपन्नता नहीं है

(ख) आध्यात्मिकता लोकमंगल और लोक सेवा से ही चरितार्थता पाएगी

(ग) हम अपनी आध्यात्मिकता को प्राणवान, जीवंत और सार्थक बना सकने में समर्थ हैं

(घ) आध्यात्मिकता ज्ञान से जुड़ी हुई है

प्रश्न 2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 X 1 =5

हर किरण तेरी संदेश वाहिका
पवन, गीत तेरे गाता
तेरे चरणों को छूने को
लालायित हिमगिरि का माथा
तुझसे ही सूर्य प्रकाशित है
आलोक सृष्टि में तेरा है,
संपूर्ण सृष्टि का रोम–रोम
चिर ऋणी, उपासक तेरा है!
अगणित आकाश गंगाएँ
नन्हीं बूंदें तेरे आगे
तू आदि अंत से मुक्त
काल– अस्तित्व हीन तेरे आगे!
हे जगत नियंता ,जगत–पिता
है व्याप तेरा कितना ईश्वर,
तेरे चरणों में नत मस्तक,
कितनी धरती , कितने अंबर!

(i) ईश्वर के चरणों को छूने के लिए – – – लालायित रहता है।

(क) धरती
(ख) आकाश
(ग) हिमगिरि का मस्तक
(घ) किरण

(ii) पद्यांश में जगत पिता किसे कहा गया है ?

(क) संसार को
(ख) समाज को
(ग) धन– दौलत को
(घ) ईश्वर को

(iii) निम्नलिखित में से सत्य कथन छांटिए ।

(क) ईश्वर के चरणों में केवल अंबर नतमस्तक हैं।

(ख) ईश्वर के चरणों में केवल धरती नतमस्तक हैं।

(ग) ईश्वर के चरणों में धरती और अंबर नतमस्तक हैं।

(घ) ईश्वर के चरणों में धरती, अंबर और सूर्य नतमस्तक हैं।

(iv) पद्यांश के आधार पर कॉलम अ को कॉलम ब से सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए।

कॉलम अ	**कॉलम ब**
1 अस्तित्व हीन तेरे आगे	(i) पवन
2 तुझसे ही प्रकाशित	(ii) काल
3 गीत तेरे गाता	(iii) सूर्य
4 संदेश वाहिका	(iv) किरण

(क) 1 (i) , 2(ii) , 3 (iv) , 4 (iii)

(ख) 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i) , 4 (iv)

(ग) 1 (iii) , 2(i) , 3 (iv) , 4 (ii)

(घ) 1 (ii) , 2(iv) , 3 (iii) , 4 (i)

(v) ‘संपूर्ण सृष्टि का रोम–रोम ’ इस पंक्ति के **रोम–रोम** में – –**अलंकार है।**

(क) उपमा

(ख) अनुप्रास

(ग) यमक

(घ) पुनरुक्ति प्रकाश

अथवा

मनमोहनी प्रकृति की जो गोद में बसा है।
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसके चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है।
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है?

नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं।
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है?
जिसके बड़े रसीले, फल कंद, नाज, मेवे।
सब अंग में सजे हैं, वह देश कौन-सा है?
जिसके सुगंध वाले, सुंदर प्रसून प्यारे।
दिन-रात हँस रहे हैं, वह देश कौन-सा है?
मैदान, गिरि, वनों में, हरियालियाँ महकतीं।
आनंदमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसकी अनंत वन से धरती भरी पड़ी है।
संसार का शिरोमणि, वह देश कौन-सा है?
सबसे प्रथम जगत में जो सभ्य था यशस्वी।
जगदीश का दुलारा, वह देश कौन-सा है?

प्रश्न :–

(i) कवि ने देश का मुकुट हिमालय को क्यों कहा है?

(क) पर्वतों में सबसे कम महत्त्वपूर्ण होने के कारण
(ख) सर्वाधिक ऊँचा होकर मस्तक स्वरूप दिखाई देने के कारण
(ग) धरती से समानता न होने के कारण
(घ) प्राकृतिक सौंदर्य से विरक्त होने के कारण

(ii) भारत के प्राकृतिक सौंदर्य को स्वर्ग के सदृश क्यों कहा गया है?

(क) क्योंकि इसकी प्राकृतिक सुंदरता में स्वर्ग की सुंदरता, सुख और आनंद का अनुमान हो रहा है
(ख) क्योंकि इसके समान सुंदरता किसी अन्य देश में नहीं है
(ग) क्योंकि यहाँ विभिन्न प्रकार के फूल, पौधे तथा नदियाँ है
(घ) क्योंकि यहाँ प्रकृति को पूजनीय माना जाता है

(iii) कवि ने भारत की किस विशेषता की ओर संकेत किया है?

(क) **भारत देश की नदियाँ अमृत की धारा बहा रही है**
(ख) **भारत देश की धरती अनंत धन से लदी-भरी पड़ी है**
(ग) **भारत ने ही संसार के लोगों को सबसे पहले ज्ञान दिया**
(घ) **उपरोक्त सभी**

(iv) किन पंक्तियों से पता चलता है कि भारत विश्व का शिरोमणि है?

(क) **सुख-स्वर्ग-का अभाव जहाँ है, वह देश कौन-सा है?**

(ख) **संसार का शिरोमणि, वह देश कौन-सा है?**

(ग) **आनंदमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है?**

(घ) **ख और ग दोनों**

(v) 'जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है' पंक्ति से कवि का क्या आशय है?

(क) **देश को सम्मान देने के लिए समुद्र बार-बार उसके चरण स्पर्श कर फूला नहीं समाता है**

(ख) **देश के चरण स्पर्श करने को समुद्र अपना अपमान समझता है**

(ग) **देश के चरण स्पर्श समुद्र को विवशता के कारण करना पड़ता है**

(घ) **देश बार-बार अपने चरणों को समुद्र से धुलवाता है**

प्रश्न 3 निम्नलिखित पद्य खंड पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5 X 1= 5**

(i) अज्ञानी गुरु की शरण में जाने पर शिष्य की बाद में – –दशा होती है।

(क) ज्ञान प्राप्त करने वाली

(ख) पछतावे वाली

(ग) स्वयं गुरु बनने वाली

(घ) घमण्ड वाली

(ii) 'दधि मथि घृत काढ़ि लियो ' से – – – आशय है।

(क) सार तत्व ग्रहण करना।

(ख) दही बिलोकर घी निकालना।

(ग) दूध – दही का व्यापार करना।

(घ) भगवान की मूर्ति पर दूध चढ़ाना।

(iii) कवयित्री किसे पूरी तरह खो देना चाहती है?

(क) इच्छाओं को

(ख) घर वालों के प्रेम को

(ग) भौतिक सुखों को

(घ) ज्ञानेंद्रियों को

(iv) प्रकृति के विनाश और विस्थापन के कारण – – – समाज संकट में है।

(क) कस्बावासियों का

(ख) गांववासियों का

(ग) शहरवासियों का

(घ) आदिवासियों का

(v) **' घर की याद'** नामक कविता के आधार पर **कॉलम अ** को **कॉलम ब** से सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए।

कॉलम अ	**कॉलम ब**
1 पाँव जो पीछे हटाता	(i) नैन जल से छाए होंगे
2 जब कि नीचे आए होंगे	(ii) उन्हें देते धीर रहना
3 किन्तु उनसे यह न कहना	(iii) कोख को मेरी लजाता

(क) 1 (i) , 2(ii) , 3 (iii)

(ख) 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i)

(ग) 1 (iii) , 2(i) , 3 (ii)

(घ) 1 (ii) , 2(i) , 3 (iii)

प्रश्न 4 निम्नलिखित गद्य खंड पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 X 1 =5

(i) न्याय और नीति सब लक्ष्मी के खिलौने हैं – यह कथन किसका है।

(क) वंशीधर का

(ख) अलोपीदीन का

(ग) बदलू सिंह का

(घ) वंशीधर के पिता का

(ii) रजनी एकांकी में अमित के गणित विषय में कम अंक आने का क्या कारण था ?

(क) पढ़ाई पर ध्यान न देने के कारण।

(ख) परीक्षा के समय बीमार होने के कारण

(ग) परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने के कारण

(घ) ट्यूशन न लेने पर अध्यापक द्वारा कम अंक देने के कारण

(iii) ' अपू के साथ ढ़ाई साल ' नामक पाठ साहित्य की – – – विधा है।

(क) रेखाचित्र

(ख) आत्मकथा

(ग) संस्मरण

(घ) जीवनी

(iv) 'गलता लोहा ' पाठ में मोहन कैसी बुद्धि का बालक था?

(क) मंद बुद्धि

(ख) कुशाग्र बुद्धि

(ग) सामान्य बुद्धि

(घ) इनमें से कोई नहीं

(v) **'जामुन का पेड़'** नामक पाठ के आधार पर **कॉलम अ** को **कॉलम ब** से सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए।

कॉलम अ	**कॉलम ब**
1 माली दौड़ा– दौड़ा	(i) बाहर लॉन में आया
2 क्लर्क दौड़ा– दौड़ा	(ii) चपरासी के पास गया
3 सुपरिंटेंडेंट दौड़ा– दौड़ा	(iii) सुपरिंटेंडेंट के पास गया

(क) 1 (i) , 2(ii) , 3 (iii)

(ख) 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i)

(ग) 1 (iii) , 2(i) , 3 (ii)

(घ) 1 (ii) , 2(i) , 3 (iii)

प्रश्न 5 अभिव्यक्ति एवं माध्यम पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए।　　5 X 1 =5

(i) कक्षा समूह में आपसी विचार–विमर्श संचार के – – – प्रकार का उदाहरण है।

(क) समूह संचार

(ख) अंतः वैयक्तिक

(ग) जनसंचार

(घ) अंतर वैयक्तिक

(ii) तथ्यों की शुद्धता , वस्तुपरकता , निष्पक्षता ,संतुलन और स्रोत हैं।

(क) संपादन के प्रकार

(ख) संपादन के गुण

(ग) संपादन के सिद्धांत

(घ) संपादन के तत्त्व

(iii) नीचे दिए गए डायरी से संबंधित कथनों में से सही कथन छांटिए।

(क) डायरी अंतरंग रचना है।

(ख) डायरी नितांत वैयक्तिक रचना है।

(ग) डायरी हमारी सबसे अच्छी दोस्त है।

(घ) डायरी स्वलेखन है इसलिए उसमें किसी घटना का एक ही पक्ष उजागर होता है।

(iv) अतीत में होने वाली घटनाओं को – – तकनीक से प्रस्तुत किया जाता है।

(क) फ्लैसबैक

(ख) फ्लैसफारवर्ड

(ग) फ्लैसलाईट

(घ) फ्लैसलाईव

(v) वर्तमान में समाचार माध्यमों में किन समाचारों को प्राथमिकता देने का रुझाान प्रबल हुआ है।

(क) राजनीतिक समाचारों को

(ख) खेल संबंधी समाचारों को

(ग) मजेदार और मनोंरजक समाचारों को

(घ) पर्यावरण संबंधी समाचारों को

प्रश्न 6 वितान भाग–1 पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5X1 =5

(i) भरतीय गायिकाओं में बेजोड़ : लता मंगेशकर निबंध का मुख्य लक्ष्य – – – है।

(क) लोगों मे संगीत की अभिरुचि अर्जित करना।

(ख) लता जी की गायकी की विशेषताओं को बताना।

(ग) शास्त्रीय संगीत को प्रकाशित करना।

(घ) चित्रपट गीत–संगीत की प्रशंसा करना।

(ii) ' राजस्थान की रजत बूँदे ' निबंध में कुंई में चिनाई का काम करते हुए चिजारो बाहर कब आते हैं ?

(क) पत्थर की पट्‌टी आते ही

(ख) जल की प्राप्ति होते ही

(ग) रस्सी समाप्त होते ही

(घ) चिनाई कार्य पूरा होते ही

(iii) पांच हाथ के व्यास की कुंई में रस्से की एक ही कुंडली का केवल एक घेरा बनाने के लिए लगभग कितना रस्सा चाहिए ?

(क) दस हाथ

(ख) पंद्रह हाथ

(ग) अठारह हाथ

(घ) बीस हाथ

(iv) बेबी हालदार के लेखन की तुलना किससे की गई है ?

(क) आशापूर्णा देवी

(ख) मननू भंडारी

(ग) निर्मला पुतुल

(घ) मीराबााई

(v) लता के — — के कारण संगीत को विलक्षण लोकप्रियता प्राप्त हुई है, यही नहीं लोगों का — — — की ओर देखने का दृष्टिकोण भी एकदम बदला है।

(क) शास्त्रीय संगीत , चित्रपट संगीत

(ख) चित्रपट संगीत , शास्त्रीय संगीत

(ग) लोक संगीत , शास्त्रीय संगीत

(घ) चित्रपट संगीत, लोक संगीत

प्रश्न 7 व्याकरण पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 x 1=5

(i) **' पंचामृत ' में — — — — समास है।**

(क) तत्पुरुष

(ख) द्वन्द्व

(ग) कर्मधारय

(घ) द्विगु

(ii) निम्नलिखित में कॉलम A को कॉलम B के शब्दों को उचित सन्धि से मिलान कीजिए।

कॉलम A	कॉलम B
1 संचय	(i) अयादि सन्धि
2 नाविक	(ii) विसर्ग सन्धि
3 संख्यागमन	(iii) व्यंजन सन्धि
4 निर्धन	(iv) यण् सन्धि

(क) 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i) , 4 (iv)

(ख) 1 (i) , 2(ii) , 3 (iii) , 4 (iv)

(ग) 1 (iii) , 2(i) , 3 (iv) , 4 (ii)

(घ) 1 (iv) , 2(i) , 3 (ii) , 4 (iii)

(iii) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य छाँटिए ।

(क) वह दस आम लेकर आया।

(ख) वह दसों आम को लेकर आया।

(ग) वह दसों आमों को लेकर आया।

(घ) वह दसियों आम को लेकर आया।

(iv) ' एक सेब की पेटी ले आना '। इस वाक्य में – – – दोष है ।

(क) शब्द–क्रम संबंधी

(ख) मुहावरे संबंधी

(ग) पुनरुक्ति संबंधी

(घ) परसर्ग संबंधी

(v) ' लम्बोदर 'का विग्रह पद होगा ।

(क) लम्बा उदर है जिसका (गणेश जी)

(ख) लम्बा है उदर जिसका

(ग) लम्बे उदर वाले गणेश जी

(घ) लम्बे पेट वाला

प्रश्न 8 **नैतिक शिक्षा** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 X 1 =5

(i) पाँच **यम** का सही चुनाव कीजिए।

(क) हिंसा , सत्य , अस्तेय , शक्ति , अपरिग्रह

(ख) अहिंसा , सत्य , अस्तेय , ब्रह्मचर्य , अपरिग्रह

(ग) अहिंसा , कर्म , अस्तेय , त्याग , अपरिग्रह

(घ) अहिंसा , सत्य , मन , ब्रह्मचर्य , वचन

(ii) क्षमा किसके व्यक्तित्व को शोभा देती है ?

(क) शक्तिशाली एवं अपराक्रमी व्यक्ति को।

(ख) कमजोर एवं पराक्रमी व्यक्ति को।

(ग) डरपोक एवं निर्धन व्यक्ति को।

(घ) शक्तिशाली एवं पराक्रमी व्यक्ति को।

(iii) जैन धर्म में कुल – – – तीर्थंकर हुए हैं।

(क) 4

(ख) 14

(ग) 24

(घ) 34

(iv) गुरुग्रंथ साहब में विश्वबन्धुत्व के बारे में – – – कहा गया है।

(क) सभी एक समान हैं, कोई भला या बुरा नहीं है।

(ख) सभी भले नहीं हैं।

(ग) अपने पराए की भावना से ग्रस्त हैं।

(घ) सभी एक समान नहीं हैं, कुछ भले तो कुछ बुरे हैं।

(v) **निम्नलिखित में कॉलम A को कॉलम B के शब्दों को उचित सन्धि से मिलान कीजिए।**

कॉलम A	**कॉलम B**
1 अपना ही दोष ढूँढ निकालना ज्ञानवीरों का काम है।	(i) कुरानशरीफ
2 दुष्टमानव भय से आज्ञापालन करते हैं, अच्छे मानव प्रेम से।	(ii) अरस्तू
3 एक बार वचन दे दिया तो उस वचन को तोड़ो मत।	(iii) विवेकानन्द

(क) 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i)

(ख) 1 (i) , 2(ii) , 3 (iii)

(ग) 1 (iii) , 2(ii) , 3 (i)

(घ) 1 (iii) , 2(i) , 3 (ii)

खण्ड – ब

वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 9 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

मेरे तो गिरधर गोपाल , दूसरो न कोई
जा के सिर मोर–मुकुट , मेरा पति सोई
छाड़ि दयी कुल की कानि , कहा करिहै कोई?
संतन ढ़िग बैठि – बैठि ,लोक लाज खोयी।

अथवा

नाचने के लिए खुला आंगन
गाने के लिए गीत हँसने के लिए थोड़ी–सी खिलखिलाहट
रोने के लिए मुट्‌ठी भर एकांत
बच्चों के लिए मैदान
पशुओं के लिए हरी–हरी घास
बूढ़ों के लिए पहाड़ों की शान्ति।

प्रश्न :–

(i) कवयित्री और कविता का नाम लिखिए।

(ii) कवयित्री किन गीतों को बचाने की बात कहती है?

(iii) कवयित्री ने बच्चों ,पशुओं और बुजुर्गों को क्या प्राप्त होने की बात की है?

(iv) कवयित्री ने किस प्रकार की चिंता व्यक्त की है?

(v) अवतरण में निहित काव्य –सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

बिछड़न–समय बड़ा करुणोत्पादक होता है। आपको बिछड़ते देखकर आज हृदय में बड़ा दु:ख है। माइ लॉर्ड ! आपके दूसरी बार इस देश में आने से भारतवासी किसी प्रकार प्रसन्न न थे। वे यही चाहते थे कि फिर न आवें। पर आप आए और उससे यहाँ के लोग बहुत ही दु:खित हुए। वे दिन–रात यही

मानते थे कि जल्द यहाँ से पधारें। पर अहो! आपके जाने पर हर्ष की जगह विषाद होता है। इसी से जाना कि बिछड़न–समय बड़ा करुणोत्पादक होता है, बड़ा पवित्र ,बड़ा निर्मल और बड़ा कोमल होता है। वैर–भाव छूटकर शांत रस का आविर्भाव उस समय होता है।

अथवा

प्राइमरी स्कूल की सीमा लाँघते ही मोहन ने छात्रवृत्ति प्राप्त कर त्रिलोक सिंह मास्टर की भविष्यवाणी को किसी हद तक सिद्ध कर दिया तो साधारण हैसियत वाले यजमानों की पुरोहिताई करने वाले वंशीधर तिवारी का हौंसला बढ़ गया और वे भी अपने पुत्र को पढ़ा –लिखा कर बड़ा आदमी बनाने का स्वप्न देखने लगे। पीढ़ियों से चले आते पैतृक धंधे ने उन्हें निराश कर दिया था। दान–दक्षिणा के बूते पर वे किसी तरह परिवार का आधा पेट भर पाते थे। मोहन पढ़–लिखकर वंश का दारिद्रय मिटा दे यह उनकी हार्दिक इच्छा थी।

प्रश्न :

(i) लेखक व पाठ का नाम लिखिए।

(ii) **मोहन ने मास्टर त्रिलोक सिंह की किस भविष्यवाणी को सच सिद्ध किया था?**

(iii) वंशीधर जी ने क्या स्वप्न देखना आरंभ कर दिया था?

(iv) वंशीधर जी की हार्दिक इच्छा क्या थी ?

(v) वंशीधर जी की इच्छा पूरी होने में क्या बाधा थी ?

प्रश्न 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए। **5**

(क) आपके इलाके में अवारा पशुओं का आतंक बना हुआ है। इससे संबंधित उपमंडलाधीस को एक पत्र लिखिए।

(ख) आप साक्षी हैं। आपके भैया – भाभी की शादी की पहली सालगिरह है। इसके लिए दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं संदेश भेजें।

(ग) निम्नलिखित चित्र में नोकरी के लिए आपकी योग्यतानुसार कुछ पदों का विज्ञापन हुआ है। उसके लिए स्ववृत लिखिए।

प्रश्न 12 काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। **3 + 2 = 5**

(i) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं? 3

(ii) साये में धूप' गज़ल का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न 13 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। **3 + 2 = 5**

(i) मुंशी वंशीधर की कोई तीन चारित्रिक विशेषताएं स्पष्ट कीजिए। 3

(ii) 'भारत माता ' पाठ का मूलभाव स्पष्ट कीजिए । 2

प्रश्न 14 'वितान भाग–2' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। **3+2 = 5**

(i) 'राजस्थान की रजत बूँदें ' पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ii) तातुश के घर आकर बेबी सुखी थी, फिर भी वह उदास क्यों हो जाती थी ?

प्रश्न 15 'व्याकरण' के निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **3+2 = 5**

(i) **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **3**

नारी नर की शक्ति है। वह माता, बहन, पत्नी और पुत्री आदि रूपों में पुरुष में कर्त्तव्य की भावना सदा जगाती रहती है। वह ममतामयी है। अतः पुष्प के समान कोमल है। किन्तु चोट खाकर जब वह अत्याचार के लिए सन्नद्ध हो जाती है, तो वज्र से भी ज्यादा कठोर हो जाती है। तब वह न माता रहती है, न प्रिया, उसका एक ही रूप होता है और वह है दुर्गा का। वास्तव में नारी सृष्टि का ही रूप है, जिसमें सभी शक्तियां समाहित हैं।

प्रश्न :

(क) नारी किस–किस रूप में नर में शक्ति जगाती है? 1

(ख) नारी को फूल–सी कोमल और वज्र–सी कठोर क्यों मानी जाती है? 1

(ग) नारी दुर्गा का रूप कब धारण कर लेती है? 1

(ii) गुण सन्धि को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए। 2

प्रश्न 16 **' नैतिक शिक्षा '** पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। 5

(i) अहिल्याबाई होलकर के शासन की विशेषताएं बताइए। 3

(ii) डॉ• अब्दुल कलाम ने कौन–सा सपना देखा? 2